

Padma Shri



DR. HARI OM

Dr. Hari Om, Retired Principal Scientist (Agronomy), Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Haryana is known for his significant contribution in the promotion of natural farming in the country.

2. Born on 10th January, 1959, in village Siwana Mai in district Jind (Haryana), Dr. Hari Om received his B.Sc. (Hons.) Agriculture, M.Sc. (Agronomy) and Ph.D. (Agronomy) in 1980, 1982 and 1995, respectively from CCSHAU, Hisar. In Ph.D. he was awarded with V.D. Kashyap Gold Medal for the best research in the university.

3. Dr. Hari Om worked for 36 years as a Scientist (Agronomy) in CCSHAU, Hisar with dedication and sincerity. For the past 10 years, he has been leading (as a Scientist) the programme of natural farming in the country. He has trained more than 10000 farmers and other stakeholders at Gurukul Kurukshetra and Natural Farming Training Institute, Gurukul Kurukshetra. He has also trained Scientists of ICAR from more than 500 Krishi Vigyan Kendras of the country. He imparted training to International delegate of 25 persons of Nepal from 11-13 September, 2023 approved under the Union Ministry of Agriculture. He guided and appraised the work on natural farming being undertaken at Gurukul Kurukshetra to 60 Collectors and DDO's of Gujarat from 8-10 September, 2023. He has been instrumental in guiding the delegates headed by the High Commissioner of Sri Lanka in April, 2023 and Executive Officers (IAS and IFS) from Goa, Diu and Daman in September, 2023 on the significance and need of natural farming over the conventional chemical farming practices. Besides this, he has been instrumental in guiding and imparting trainings of natural farming to many executive and departmental officers of the states like Himachal Pradesh, Uttar Pradesh, Uttarakhand, Gujarat and Haryana. He presented the work, performance and potential of natural farming during the combined visit of Former President of India Shri Ram Nath Kovind and Hon'ble Governors of four states Punjab, Haryana, Gujarat and Himachal Pradesh in August, 2023.

4. Dr. Hari Om has published more than 150 research papers/ articles, book chapters, bulletin and books on various scientific aspects including natural farming. The impact of his training to scientists, farmers, officers and other stakeholders is now becoming visible in many of the states of the country. The area under natural farming is increasing in many parts of the country and the impact is conspicuous even during natural calamities.

5. Dr. Hari Om received best KVK award in Haryana conferred by the Chief Minister for outstanding scientific achievements in 2016. While serving at Krishi Vigyan Kendra, (Kurukshetra) he received best KVK award at zone level which was conferred by Hon'ble Prime Minister of India in 2018.

पद्म श्री



डॉ. हरि ओम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान) के पद से सेवानिवृत्त डॉ. हरि ओम देश में प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं।

2. 10 जनवरी, 1959 को जींद (हरियाणा) जिले के सिवाना माई गांव में जन्मे, डॉ. हरि ओम ने सीसीएसएचएयू, हिसार से वर्ष 1980, 1982 और 1995 में क्रमशः बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि, एम.एससी. (कृषि विज्ञान) और पीएचडी (कृषि विज्ञान) की उपाधि प्राप्त की। पीएचडी में उन्हें विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान के लिए वी.डी. कश्यप स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

3. डॉ. हरि ओम ने सीसीएसएचएयू, हिसार में 36 वर्ष तक एक कृषि वैज्ञानिक के रूप में समर्पण और ईमानदारी से काम किया। पिछले 10 वर्ष से अधिक समय से वह वैज्ञानिक के रूप में देश में प्राकृतिक कृषि कार्यक्रम के अगुआ हैं। उन्होंने गुरुकुल कुरुक्षेत्र और प्राकृतिक फौनिंग प्रशिक्षण संस्थान, गुरुकुल कुरुक्षेत्र में 10000 से अधिक किसानों और अन्य स्टेकहोल्डरों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। उन्होंने देश में आईसीएआर के 500 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया है। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुमोदन के तहत 11 से 13 सितंबर, 2023 तक नेपाल के 25 व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय शिष्टमण्डल को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने 8 से 10 सितंबर, 2023 को गुजरात के 60 कलेक्टरों और डीडीओ को गुरुकुल कुरुक्षेत्र में की जा रही प्राकृतिक कृषि के कार्य के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने अप्रैल, 2023 में श्रीलंका के उच्चायुक्त की अध्यक्षता में प्रतिनिधियों और सितंबर, 2023 में गोवा, दीव और दमन के कार्यकारी अधिकारियों (आईएएस और आईएफएस) को पारंपरिक रासायनिक फौनिंग परिपाटियों की तुलना में प्राकृतिक कृषि के महत्व और आवश्यकता के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, उन्होंने हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात और हरियाणा जैसे राज्यों के कई कार्यकारी और विभागीय अधिकारियों को प्राकृतिक कृषि का मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अगस्त 2023 में भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद और चार राज्यों, अर्थात् पंजाब, हरियाणा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपालों की संयुक्त यात्रा के दौरान प्राकृतिक खेती के कार्य, प्रदर्शन और संभावनाओं के बारे में बताया।

4. डॉ. हरि ओम के प्राकृतिक कृषि सहित विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं पर 150 से अधिक शोध पत्र/लेख, पुस्तक अध्याय, बुलेटिन और पुस्तकें प्रकाशित हैं। डॉ. ओम द्वारा वैज्ञानिकों, किसानों, अधिकारियों और अन्य स्टेकहोल्डरों को दिए गए प्रशिक्षण का प्रभाव अब देश के कई राज्यों में दिखने लगा है। देश के कई हिस्सों में प्राकृतिक कृषि का क्षेत्र बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान इसका प्रभाव अधिक स्पष्ट रूप से दिखता है।

5. डॉ. हरि ओम को 2016 में उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए मुख्यमंत्री द्वारा हरियाणा में सर्वश्रेष्ठ केवीके पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र (कुरुक्षेत्र) में सेवा के दौरान उन्हें भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 2018 में अंचल स्तर पर सर्वश्रेष्ठ केवीके पुरस्कार से सम्मानित किया गया।